हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 28 .0 डिग्री

10 कांग्रेस को संगठित करके सत्ता में लाना ही लक्ष्यः बीरेन्द्र

10 जीवन में प्रतिकूलता आने पर भगवान के द्वार पर होता है समाधान...

खबर संक्षेप

ट्राला चालक की अनदेखी पड़ी भारी

उकलाना मंडी। सिरसा चंडीगढ़ रोड पर रेलवे पुल निर्माण कार्य जारी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय के नजदीक बड़े वाहनों के लिए रास्ता डाइवर्ट करने का बोर्ड लगाया गया है। उस बोर्ड की अनदेखी करने का परिणाम रात्रि काल में ट्राल चालक को भुगतना पड़ा। ट्राला चालक ने बताया कि वह खुला से कोलकाता जा रहा है और आगे से एक लंबी खाई खोदी हुई थी। इस कारण उसने ट्राला रोका और वापस करने लगा तो यह ट्राला धंस गया।

धोखाधड़ी से लाखों की भैंस खरीदने वाला काबू

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने भैंस खरीदकर 38 लाख की धोखाधड़ी करने वाले चौथे आरोपी उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी यूनिस को गिरफतार किया है। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस में तैनात सब इंस्पेक्टर कपिल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी ने कुछ दिनों पहले अपने दोस्तों के साथ मिलकर गुराना गांव निवासी भूपेंद्र सिंह से भैंसों का व्यापारी बनकर से करीब 38 लाख की 30 भैंसें झूठ बोलकर खरीदी थी। भैंसें खरीदने के उपरांत रुपए देने से मना कर दिया। इसके बाद सदर थाना पुलिस ने भूपेंद्र की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था।

श्याम अखंड ज्योत महोत्सव कल

हिसार। श्रीहनुमान कुरुक्षेत्र सनातन धर्म मंदिर ट्रस्ट द्वारा नागोरी गेट स्थित हनुमान मंदिर में श्रीश्याम अखण्ड ज्योत के 52वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में 5 अगस्त को सायं 7:30 बजे से 10 बजे तक संकीर्तन का आयोजन कर खाटू नरेश श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। महोत्सव प्रबंधक रामकुमार गोयल व धर्मपाल गोयल ने बताया कि भव्य दरबार लगाया जाएगा।

रक्तदान शिविर एवं पौधा वितरण समारोह आयोजित

बरवाला। बरवाला जनसेवार्थ ट्रस्ट द्वारा अपने पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भवन लोकार्पण, पौधा वितरण समारोह एवं रक्तदान शिविर प्रमुख आकर्षण रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों के साथ हवन द्वारा किया गया। यह हवन हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पूरे मंत्रोच्चारण के साथ पुरोहित की देखरेख में किया गया और इस हवन में उपस्थितजनों द्वारा अपनी अपनी आहुति डाली गई।

शिक्षा व स्कूलों को बचाने के लिए आंदोलनों का किया जाएगा आगाजः अध्यापक संघ

हिसार। सेमिनार में भाग लेने के लिए पहुंचे अध्यापक संघ पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

■ एसटीएफआई के पच्चीस वर्ष पूरा होने पर अध्यापक संघ ने किया सेमिनार का आयोजन

अध्यापक संघ के राज्य कार्यकारिणी सदस्य बीर सिंह, अलका और पवन कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर अध्यापकों की मांग व मुद्दों को हल करवाने के लिए सभी शिक्षक संगठनों ने 12 अगस्त 2000 को एसटीएफआई का गठन किया। उन्होंने बताया कि 8 से 10 अगस्त 2025 को कोलकाता में त्रिवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने एसटीएफआई के 25 वर्ष पूरा होने पर जिला पटवार भवन में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा ने की व मंच संचालन जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने किया। सेमिनार संबोधित करते हुए अध्यापक संघ के राज्य कार्यकारिणी सदस्य बीर सिंह, अलका और पवन कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर अध्यापकों की मांग व मुद्दों को हल करवाने के लिए सभी शिक्षक संगठनों ने 12 अगस्त 2000 को एसटीएफआई का गठन किया। उन्होंने बताया कि 8 से 10 अगस्त 2025 को कोलकाता में त्रिवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में शिक्षा और स्कूलों को बचाने के लिए आंदोलनों का आगाज किया जाएगा। अध्यापक संघ नेताओं ने बताया कि एसटीएफआई की मांग है कि देश में कॉमन स्कूल सिस्टम लागू किया जाए, जिसके तहत सभी बच्चों को केजी से पीजी तक व व्यवसायिक शिक्षा निःशुल्क प्रदान की जा सके। सभी को अनिवार्य, गुणवत्तापूर्ण व निःशुल्क करवाना सरकार की जिम्मेदारी है जबकि देश में शिक्षा का व्यवसायिककरण किया जा रहा है, शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च किया जाए, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की जाए, शिक्षा में पीपीपी मॉडल लागू न किया जाए, देश व प्रदेश में खाली पड़े अध्यापकों के पदों को नियमित भर्ती के द्वारा भरा जाए व अध्यापकों से गैर शैक्षणिक कार्य नहीं लिए जाएं। सेमिनार में जिला वरिष्ठ उपप्रधान वीरेंद्र सिंह, वित्त सचिव बिजेंद्र सिंह, राजेंद्र कुमार, विजय सिंह, दलवीर, भादू, बाबूलाल, कालूराम, जयवीर सिंह, अशोक यादव, राजेश मेहरा, जानकी देवी, फकीर चंद व सुरेंद्र शर्मा आदि भी मौजूद रहे।

जिले के आदमपुर क्षेत्र के गांवों में पीएमजीईपी स्कीम में लोन दिलवाने नाम पर ठगी

पीएमजीईपी लोन दिलवाने के नाम पर 80-90 लाख की ठगी

आर्थिक अपराध शाखा ने छानबीन करते हुए एक को दबोचा, अन्य की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिले के आदमपुर क्षेत्र के गांवों में पीएमजीईपी स्कीम में लोन दिलवाने के नाम पर 80-90 लाख रुपये की ठगी का मामले का पटाक्षेप हो गया है। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की जांच करते हुए मुख्य आरोपी बगला निवासी असलम उर्फ हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया है जबकि उसके अन्य साथियों की पहचान हो चुकी है।

■ मुकेश के खिलाफ 4 अगस्त 2024 को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था।

इन स्कीमों में की ठगी

पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा के पास पीएमजीईपी स्कीम में लोन दिलवाने के नाम पर लगभग 80-90 लाख रुपये की ठगी मामला पहुंचा था। मामला मंडी आदमपुर क्षेत्र का है, जहां कुछ लोगों ने फरवरी 2024 से जुलाई 2024 तक सरकार की विभिन्न लोन योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमजीईपी), पशुपालन लोन, बकरी पालन लोन, लघु व्यवसाय लोन, पेट्रोल पंप योजना, जिओ टॉवर स्कीम आदि के नाम पर आम जनता से लगभग 80-90 लाख रुपये की ठगी की।

जाली लेटर दिए आरोपियों ने

आरोपियों ने फर्जी बोर्ड पत्र, जाली दस्तावेज और बनावटी कॉल्स के जरिए लोगों को विश्वास में लेकर उनसे आवेदन शुल्क, जीएसटी, इंश्योरेंस, फाइल चार्ज और अन्य बहानों से मोटी रकम ऐंठ ली। लोगों को पहले लोन स्वीकृति की झूठी सूचना दी जाती थी और बाद में पैसे भेजने पर एक नकली चेक या फर्जी पत्र दिया जाता था। जब पीड़ित अम्बाला स्थित कथित शाखा पहुंचे तो पता चला कि उक्त दस्तावेज फर्जी हैं और कोई लोन प्रोसेस ही नहीं हुआ।

एक आरोपी दबोचा, अन्य की पहचान

हिसार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आरोपी बगला गांव निवासी असलम उर्फ हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आरोपी के साथी और आरोपियों गौरव गुप्ता जो स्वयं को एजीएम बताता था, नवीन, मोंटी गुप्ता और संदीप की पहचान की गई है। पुलिस जांच के दौरान आरोपियों के संदिग्ध बैंक अकाउंट सामने आए है जिनमें आरोपियों ने पैसे ट्रांसफर किए है। मामले के अनुसार थाना आदमपुर में सीएससी और सीएसपी में काम करने वाले मुकेश कुमार सहित अन्य की शिकायत पर थाना आदमपुर में 24 अगस्त 2024 को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। ये सभी ग्राहकों को बैंकों से लोन दिलाने का काम करते थे।

हिमांशु को लिया रिमांड पर

पुलिस ने पकड़े गए आरोपी असलम उर्फ हिमांशु को अदालत में पेश किया। यहां उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि मामले के बारे में और जानकारी सामने आ सके। पुलिस के अनुसार बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस ने की सतर्कता की अपील

हिसार पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि किसी भी प्रकार के सरकारी लोन, सब्सिडी या योजनाओं से संबंधित कार्य केवल अधिकृत सरकारी पोर्टल एवं कार्यालयों से ही करवाएं। किसी भी अनधिकृत व्यक्ति द्वारा मांगी गई धनराशि या दस्तावेजों को बिना सत्यापन के न दें।

रेलवे लाइन पर युवक का शव बरामद

हिसार। शहर के प्रेम नगर के साथ लगती रेलवे लाइन पर एक युवक का शव बरामद हुआ है। रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव पर चोटों के निशान व हाथ बंधे होने के चलते आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या करके शव यहां फैंका गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेम नगर के पीछे रेलवे लाइन पर एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। सूचना मिलने के बाद डीएसपी कृष्ण कुमार व एसएचओ विनोद कुमार मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। हालांकि मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है लेकिन शव की हालत देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक के हाथ बंधे हुए हैं और गले में कपड़ा लिपटा हुआ मिला है। पुलिस के अनुसार रविवार तड़के 4:30 बजे सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर एक शव मिला है। पुलिस ने देखा कि मृतक के हाथ बंधे हुए हैं और मुंह पर चोट के निशान है।

■ हत्या की आशंका मुंह पर चोट के निशान, पायजामें से बंधे थे हाथ

अग्रवाल सेवा समिति ने स्व. ओमप्रकाश जिंदल की जयंती पर लगाया रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। रक्तदान शिविर,व नि :शुल्क जांच शिविर का शुभारंभ करते हुए विधायक सावित्री जिंदल। फोटो :हरिभूमि

अग्रवाल सेवा समिति अर्बन एस्टेट की ओर से स्व. ओमप्रकाश जिंदल की जयंती के अवसर पर अर्बन एस्टेट स्थित न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल में विशाल रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। विशाल रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने किया। इस अवसर पर विधायक सावित्री जिंदल ने उपस्थित रक्तदाताओं, अपने स्वास्थ्य की जांच करवाने आए लोगों को व समिति सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है क्योंकि हमारे किए रक्तदान से किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिलता ही है साथ में उस परिवार की दुआएं भी हमें मिलती हैं। इसके साथ ही रक्तदाता को भी रक्तदान से स्वास्थ्य का लाभ मिलता है और वह कई प्रकार के रोगों से बचा रहता है। इसलिए हम समय-समय पर रक्तदान करके परमार्थ के साथ-साथ खुद को स्वस्थ भी रख सकते हैं। समिति के प्रधान जयकुमार बंसल व संजय डालमिया ने बताया कि शिविर में नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों जिंदल अस्पताल के विभिन्न अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं दी।उन्होंने बताया कि शिविर में 300 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

सर्व समाज भाईचारा मंच का गठन

हिसार। सामाजिक एकता, न्याय और भाईचारे की भावना को मजबूती देने के उद्देश्य से विश्वकर्मा धर्मशाला में बैठक आयोजित करके सर्व समाज भाईचारा मंच का गठन किया गया। यह मंच न केवल जातीय भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का प्रयास करेगा, बल्कि समाज में निर्दोष लोगों के साथ होने वाली किसी भी तरह की अन्यायपूर्ण कार्रवाई के विरुद्ध मजबूती से आवाज भी उठाएगा। बैठक की अध्यक्षता रामतीर्थ जांगड़ा ने की जबकि संत शिरोमणि गुरु रविदास महासभा के प्रधान एसपी चालिया ने मंच की आवश्यकता और उद्देश्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह मंच के सम्मुख आने वाले उन मामलों की गंभीरता से अपने स्तर पर छानबीन करेगा, जिनमें समाज के किसी वर्ग पर अन्याय हुआ हो या किसी निर्दोष पर गलत आरोप लगे हों।

तीन दिन में 121 बेसहारा पशुओं को भेजा गया गो अभ्यारण

■ अभियान में बाधा डालने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, तीसरे दिन 35 पशु पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। बेसहारा पशु पकड़ती नगर निगम की टीम। फोटो :हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। इसकी शुरुआत मेयर प्रवीण पोपली ने की थी। अभियान में अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा को नोडल ऑफिसर तथा सहायक ऑफिस सुरेन्द्र वर्मा को सहायक नोडल ऑफिसर बनाया गया है। अभियान के तीसरे दिन अमरदीप कॉलोनी, रेड स्क्वेयर मार्केट, देवी भवन और भामाशाह नगर के आसपास के क्षेत्र से पशुओं को पकड़े गए। एएसआई संदीप बिश्नोई ने बताया कि नगर निगम की टीम ने पहले दिन 76 पशु दूसरे दिन 10 और तीसरे दिन 35 पशु पकड़े जिनमें गाय, नंदी, छोटे बच्चे शामिल है। इस प्रकार 121 बेसहारा पशुओं को गो अभ्यारण भेजा गया है। यह अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा। पशु पकड़ो अभियान के दौरान जब अमरदीप कॉलोनी में पशु पकड़े गए तो दो महिलाओं ने पशु छुड़वाने की कोशिश की जब वह पशु छुड़वाने में नाकाम रहे तो उन्होंने टीम के अभद्र व्यवहार किया। अभद्र व्यवहार करने पर एफआईआर करवाई जाएगी। अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने कहा कि इस अभियान के दौरान अगर कोई क्षेत्रवासी या पशुपालक बाधा उत्पन्न करेगा तो पशु क्रुरता एवं अन्य धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हिसार में सेना भर्ती रैली जारी, जोश और जुनून के जज्बे के साथ युवा कर रहे हैं प्रतिभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। भर्ती रैली में हिस्सा लेते युवा। फोटो :हरिभूमि

हिसार के मिलिट्री स्टेशन स्थित एआरओ कॉम्प्लेक्स में सेना भर्ती रैली एक अगस्त से लगातार जारी है। अभी तक इस भर्ती प्रक्रिया में सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है और सेना में शामिल होने के लिए अपना दमखम दिखाया है। पहले दिन की भर्ती रैली में धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी और हवलदार (शिक्षा) पदों के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की गई थी। इसके साथ ही अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन, सोल्जर टेक्निकल नर्सिंग असिस्टेंट/नर्सिंग असिस्टेंट (वेटरनरी), सिपाही फार्मा, जूनियर कमीशन अधिकारी (कैटरिंग), हवलदार (सर्वेयर ऑटोमेटेड कार्टोग्राफर), हवलदार (शिक्षा) जैसी श्रेणियों के लिए भी भर्ती जारी है। सेना अधिकारियों ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे केवल पंजीकृत ईमेल पर भेजे गए विवरणों के अनुसार ही प्रक्रिया में भाग लें और किसी भी प्रकार के दलालों से दूर रहें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर की जा रही है। अधिकारियों ने युवाओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या दलाली के प्रयास की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना है

हिसार पुलिस का विशेष अभियान जारी नियम तोड़ने वालों पर हो रही कार्रवाई

बुलेट से पटाखे जैसी आवाज निकालने वाले 18 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा, सड़क पर शांति व्यवस्था और अनुशासित सामाजिक वातावरण बनाए रखने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना, सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन कायम रखना और नशे में वाहन चलाने जैसी गंभीर लापरवाहियों पर अंकुश लगाना है। इसी के तहत पुलिस द्वारा पिछले एक सप्ताह में सख्त कार्रवाई करते हुए बुलेट से पटाखे जैसी आवाज निकालने वाले 18 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार कुछ लोग बुलेट मोटरसाइकिल के साइलेंसर में अवैध बदलाव कर उसमें से पटाखे जैसी तेज आवाज निकालते हैं। इससे आमजन विशेषकर बुजुर्ग, बीमार और बच्चों को भारी परेशानी होती है। इसके साथ ही यह ध्वनि प्रदूषण और कानून का उल्लंघन भी है। पिछले सप्ताह ऐसे 18 वाहन चालकों के खिलाफ चालान किए गए और कुछ बुलेट जब्त कर जांच में लिए गए।

हिसार। हिसार के पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन।

एसपी ने की अपील

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा है कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून की पालना कराना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित समाज की स्थापना करना है। हम सभी से अपील करते हैं कि यातायात नियमों का पालन करें, शराब पीकर वाहन चलाने से बचें और सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन बनाए रखें। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल 112 या निकटतम पुलिस थाना को दें। कानून का पालन करें, सुरक्षित चले सुरक्षित रहे।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के 34 मामलों में चालान

इसके अलावा शहर में सार्वजनिक स्थानों जैसे पार्क, गलियों, मार्केट एरिया, मंदिरों के आसपास शराब पीने वालों के खिलाफ हिसार पुलिस ने 34 लोगों पर चालान करते हुए सख्त कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि ऐसी गतिविधियां समाज में असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं, इसलिए ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जा रही है।

शराब पीकर वाहन चलाने पर 24 चालान, वाहन जब्त

पुलिस के अनुसार शराब पीकर वाहन चलाना न केवल एक गंभीर अपराध है बल्कि यह स्वयं वाहन चालक, राहगीरों व अन्य नागरिकों की जान के लिए खतरा भी है। हिसार पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में 24 ऐसे मामलों में चालान कर कई वाहनों को जब्त भी किया है।

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविंद्रनाथ टैगोर

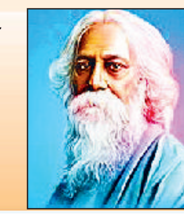

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रेशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.......अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं। हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है। शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपज़दा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी। बड़ा परिवार था। सब भाई बहन खाना खा रहे थे।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की। बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी। बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे। शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे। उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी। उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर। कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी। बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती। शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं। शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्त्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं। शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है। जैसे कि कभी कुक्कू खेलता-खेलता गिर जाता है। हालांकि वह आवाज नहीं करता लेकिन शारदा के दिल पर दस्तक होती है या कि वह कभी भूखा होता है और शारदा काम में व्यस्त ... तो उसकी आत्मा पर अचानक थपकी पड़ती है और वह फौरन समझ जाती है। **- क्रमशः**

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता | डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।

मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।

मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।

अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।

अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।

विलय करो सब न्यून अहम।
योगः कर्मसु कौशलम ।।

कविता | सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

भैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

भैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता | डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बही जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रृंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

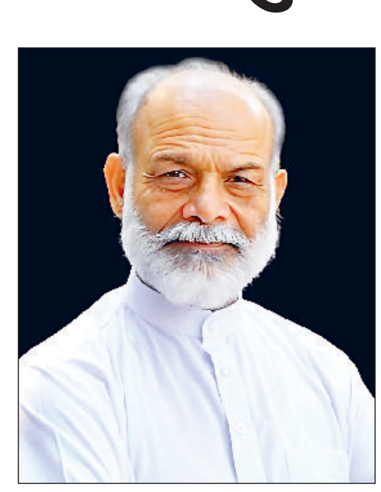

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्त्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत्त प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक : जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याâ जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ч२ी सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

सिरसा। ललित जैन को स्मृति चिह्न भेंट करते गौशाला कमेटी के सदस्य।

गोमाता के लिए किया गया सहयोग व्यर्थ नहीं जाता : जैन

सिरसा। जयदेव-सहदेव जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान ललित जैन बाबा सोमनाथ गौशाला जोधपुरिया में दो लाख रुपये का आर्थिक सहयोग दिया है। इस मौके पर ललित जैन ने कहा कि गौ की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है। गौमाता न केवल हमें दूध देती है, बल्कि कई बिमारियों से भी सुरक्षित रखती है। गौ माता की सेवा के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। जैन ने कहा कि गौमाता के लिए किया गया सहयोग कभी व्यर्थ नहीं जाता और गौमाता उसे कई गुणा बढ़ाकर खुशियों के रूप में हमें लौटाती है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि अपने सामथ्र्य अनुसार गौसेवा में सहयोग करें, ताकि बेहतर तरीके से गौवंश का पालन-पोषण हो सके। गौशाला कमेटी ने ललित जैन को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

किसान सभा का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन 24 को

फतेहाबाद। अखिल भारतीय किसान सभा जिला फतेहाबाद का त्रिवार्षिक सम्मेलन 24 अगस्त को शहीद चन्द्रशेखर आजाद भवन, फतेहाबाद रोड, भूना में आयोजित किया जाएगा। इस जिला सम्मेलन में मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य अध्यक्ष मा. बलबीर सिंह तथा राज्य सचिव सुमित दलाल भाग लेंगे। यह जानकारी देते हुए किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में जिलाभर से चुने हुए प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसके अलावा 4 और 5 अक्टूबर को राज्य सम्मेलन भट्टू में होगा। इस मौके पर खुला अधिवेशन को राष्ट्रीय नेता संबोधित करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस तक तीन चरणों में तिरंगा अभियान

सिरसा। केन्द्र सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में लगातार चौथे वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया जा रहा है। 'हर घर तिरंगा' अभियान 15 अगस्त तक तीन चरणों में चलेगा। पहला चरण 8 अगस्त तक, दूसरा चरण 9 से 12 अगस्त तक तथा तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त शान्तनु शर्मा ने रविवार को बताया कि पहले चरण में 8 अगस्त तक स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा।

प्रदेश में निकला सामाजिक न्याय जत्था 7 को पहुंचेगा हिसार : जमस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की ओर से प्रदेश भर में निकाला जा रहा सामाजिक न्याय जत्था 7 अगस्त को हिसार की जाट धर्मशाला में पहुंचेगा। यह जत्था आजाद हिंद फौज की महिला झांसी रेजिमेंट की कैप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल और राष्ट्रगान के रचयिता एवं समाज सुधारक रवींद्रनाथ टैगोर को व डॉ. अम्बेडकर की विचारधारा को समर्पित है। नगर स्थित समिति के कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए समिति की जिला अध्यक्ष शकुंतला जाखड़, स्वागत कमेटी की अध्यक्ष प्रो. कृष्णा खांबरा, सचिव व पूर्व पार्षद बबली लांबा ने बताया कि जत्थे की शुरुआत 25 जुलाई को की गई थी जिसका समापन 7 अगस्त को जाट धर्मशाला में होगा। समापन अवसर पर प्रातः 10:30 बजे कैप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल की बेटी, पूर्व सांसद एवं लेखिका सुभाषिणी अली सहगल कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। मुख्य वक्ता के रुप में जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व भीम अवार्डी डॉ. जगमति सांगवान अपना वक्तव्य देंगे।

हिसार। जनवादी महिला समिति की बैठक में उपस्थित महिला नेता व कार्यकर्ता।

कैप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल की बेटी, पूर्व सांसद एवं लेखिका सुभाषिणी अली सहगल करेंगी कार्यक्रम का शुभारंभ

महिला नेताओं ने बताया कि जनवादी महिला संगठन देश और प्रदेश का सबसे बड़ा महिला संगठन है। यह संगठन 1981 से देश में और 1985 से हरियाणा में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, अपराध, नशाखोरी, महंगाई, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार संघर्ष कर रहा है। इसी कड़ी में 25 जुलाई से 7 अगस्त तक पूरे हरियाणा में विभिन्न जिलों में सामाजिक न्याय जत्थे का आयोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व समिति की बैठक स्वागत कमेटी की अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्णा खांबरा की अध्यक्षता में हुई जिसमें जत्थे के हिसार आगमन पर की जाने वाली तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया तथा कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई गई। बैठक में उपाध्यक्ष सुनीता झोरड़, हिसार जिला की संस्थापक बिमला चौधरी, शकुन्तला जाखड़, निर्मला, बिमला, सरबजीत कौर, सुनीता, विद्या, सविता मेहतानी, सेवा देवी, सन्तोष आदि मौजूद रही।

ओशो ध्यान उपवन में ओशो की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर हुआ मंथन

तेजी से बदलते, तनावपूर्ण व भौतिकवादी युग में ओशो की शिक्षाएं अत्यंत प्रासंगिक : स्वामी संजय

ध्यान सत्र में उमड़े साधक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र के दौरान सतगुरु ओशो की शिक्षाओं की वर्तमान दौर में प्रासंगिकता पर गहराई से मंथन हुआ। विभिन्न क्षेत्रों से उमड़े साधकों को ध्यान साधना का अभ्यास करवाया गया और फिर ओशो की शिक्षाओं से साक्षात्कार करवाया गया।

ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि ओशो ने अध्यात्म को विज्ञान की तरह प्रस्तुत करके साधकों को जीने की सही राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि आज के तेजी से बदलते, तनावपूर्ण व भौतिकवादी युग में ओशो की शिक्षाएं अत्यंत प्रासंगिक हैं। उनकी शिक्षाएं न केवल व्यक्तिगत चेतना को जागृत करके दिशा दिखाती हैं बल्कि आधुनिक मानव की आंतरिक पीड़ा, असंतोष व मानसिक उलझनों का समाधान भी प्रस्तुत करती हैं। स्वामी संजय ने बताया कि ओशो ने ध्यान की आवश्यकता को बड़े ही सरल ढंग से समझाया है। ओशो ने स्पष्ट किया है कि ध्यान कोई अभ्यास नहीं बल्कि जीने की कला है। यह आंखें मूंदने की नहीं बल्कि आंखें खोलने की प्रक्रिया है। ओशो ने ध्यान को जीवन की धुरी बताया और उसे आधुनिक जीवन के लिए व्यावहारिक रूप से प्रस्तुत किया। उनके डायनामिक ध्यान, कुंडलिनी ध्यान और नादब्रह्म जैसे प्रयोग आज भी लाखों लोगों को मानसिक शांति और ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक। फोटो : हरिभूमि

जीवन एक उत्सव

ओशो ने जीवन को उत्सव की तरह जीने की शिक्षा दी है। ओशो के अनुसार जीवन को एक नृत्य बनाओ, एक उत्सव बनाओ। गंभीर मत बनो, जीवन एक खेल है, लीला है। जियो, मुस्कराओ, नाचो, यही पूजा है। ओशो का यह नजरिया आज के उदास और बोझिल समाज को एक नया और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण देता है। बोझिल दिनचर्या और उदासी में जी रहे लोगों के लिए यह दृष्टिकोण आनंद के द्वार खोल सकता है।

हिसार। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक में शामिल पदाधिकारी ।फोटो : हरिभूमि

सुमित सैनी बने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की जिला हिसार इकाई की बैठक स्वामी विवेकानंद भवन, संघ कार्यालय में हुई। यह बैठक उपभोक्ता हितों की रक्षा तथा जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई। इसमें उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नवीन जैन ने सक्रिय सदस्यों के साथ बैठक कर ग्राहक पंचायत के कार्यों पर प्रकाश डाला।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन का विस्तार करना व आने वाले तीन वर्षों के लिए नई जिला कार्यकारिणी का गठन करना था। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक पवन जिंदल ने संघ के उद्देश्य व विभिन्न आयामों के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष डॉ डीके शर्मा ने भी ग्राहकों के शोषण रोकने संबंधी विचार रखे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुमित सैनी ने बताया कि उपभोक्ता संगठित नहीं है, इसलिए हर जगह ठगा जाता है। उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना ग्राहक पंचायत का मूल उद्देश्य है। इस अवसर पर पवन जिंदल ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की और बताया कि कार्यकारिणी आगामी तीन वर्षों के लिए कार्य करेगी।

पीजीएसडी स्कूल में लगा नि:शुल्क मेडिकल कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बैंक ऑफ इंडिया, हिसार की ओर से विश्व विख्यात चिकित्सा संस्थान मेदान्ता दि मेडिसिटी, गुड़गांव के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम के सहयोग से पड़ाव चौक स्थित पीजीएसडी स्कूल में निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। विधायक सावित्री जिंदल ने मुख्यातिथि के रुप में ज्योत प्रज्जवलित करके कैंप का शुभारंभ किया जबकि अध्यक्षता पीजीएसडी संस्थाओं के प्रधान बजरंग गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि आंचलिक प्रबंधक, चंडीगढ़ अंचल राजेश रंजन व एसडीएम हिसार ज्योति मित्तल रहे। बैंक के सीनियर मैनेजर कमल गोयल ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी अतिथियों का बुक्के देकर व स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया गया। मंच संचालन समाजसेवी ओमप्रकाश असीजा ने किया। बैंक के सीनियर मैनेजर कमल गोयल ने बताया कि कैम्प में हृदय सम्बंधी सभी रोग, शारीरिक कम्पन्न, चक्कर आना, आधे सिर में दर्द, कमर दर्द, मिर्गी दर्द, दिमागी नसें बंद होना, अधरंग, लकवा, हाथ-पैर का सुन्न होना, चलने, सीढिय़ा चढऩे व भारी काम से सांस फूलना, घबराहट, उच्च रक्तचाप, दिल की धडक़न बढऩा आदि के 165 रोगियों की जांच की गई

हिसार। मेडिकल कैम्प का शुभारंभ करते विधायक सावित्री जिंदल।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच ने आईटीआर व टैली प्राइम पर आधारित सेमिनार का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच की ओर से आईटीआर व टैली प्राइम पर आधारित सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में सीए पंकज मिश्रा व सीए विनोद जांगड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अमन बंसल ने बताया कि हिसार के सेक्टर 16-17 इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित आईसीएआई भवन में आयोजित इस सेमिनार के पहले सत्र में सीए विनोद जांगड़ा ने टैली प्राइम में नवीनतम अपडेट से रूबरू करवाया। उन्होंने कहा कि नवीनतम अपडेट को समझकर काम और भी बेहतर ढंग से किया जा सकता है। दूसरे सत्र में सीए पंकज मिश्रा ने आईटीआर के रूपों में परिवर्तन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

आईटीआर व टैली प्राइम पर आधारित सेमिनार में उपस्थित वक्ता व एनआईआरसी हिसार ब्रांच के पदाधिकारी।

आम आदमी पार्टी की हरियाणा इकाई ने प्रदेश में की नियुक्तियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

आम आदमी पार्टी की हरियाणा इकाई ने आज विभिन्न पदों के लिये कई पदाधिकारियों की घोषणा की है। पार्टी के जिला प्रधान राजेन्द्र सोरखी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया है। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता की ओर से जारी नियुक्तियों के अनुसार नलवा हलके के पार्टी नेता रामनाथ धुवारिया को हिसार लोकसभा क्षेत्र का प्रधान नियुक्त किया है। उचाना से पार्टी के पूर्व प्रत्याशी रहे पवन फौजी को पार्टी का प्रदेश संयुक्त सचिव, हांसी के सरदार गगनदीप सिंह को हिसार जिले का सोशल मीडिया इंचार्ज, थुराना गांव के रमेश पानू को विधानसभा हांसी का हलका अध्यक्ष व हांसी की खुश्बू शर्मा को हांसी हलके की महिला प्रधान बनाया गया है। गांव मुजादपुर के जगबीर मलिक को हांसी किसान सैल का हलका प्रधान, हांसी के बलजीत फौजी को एक्स सर्विसमैन सैल का हांसी हल्का प्रधान के अलावा ढंडेरी गांव के सुमेर मलिक को हांसी विधानसभा क्षेत्र का युवा हल्का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

रामनाथ धुवारिया।

आचार्य रविंद्र ने करवाया संजीवनी ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

समर्थगुरु धारा संघ, हिसार द्वारा रविवार को नियमित संडे ध्यान सत्र का आयोजन कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में ध्यानी साधकों की उपस्थिति में हुआ। इस विशेष सत्र का संचालन आचार्य रविंद्र द्वारा किया गया, जिन्होंने साधकों को संजीवनी ध्यान की अनूठी विधि से परिचित करवाया।

आचार्य ने बताया कि संजीवनी ध्यान मन, शरीर और आत्मा के संतुलन के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस ध्यान विधि के माध्यम से साधकों ने आंतरिक शांति, ऊर्जा और मानसिक स्पष्टता का अनुभव किया। सत्र के दौरान उपस्थित साधकों ने ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास किया और अपने अनुभवों को सांझा करते हुए नियमित साधना का संकल्प लिया। संडे ध्यान सत्र का उद्देश्य है दैनिक जीवन की आपाधापी में मानसिक विश्रांति व आत्मिक उन्नति की अनुभूति कराना। आचार्य ने बताया कि संजीवनी ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है। यह ध्यान प्रणाली शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावी मानी जाती है, लेकिन इसे अनुभव करने के लिए धैर्य, समर्थन और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। ध्यान के बाद कार्यक्रम के समापन पर समर्थगुरु धारा संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने आज के सत्र के लिये आचार्य गगन का आभार व्यक्त किया एवं उपस्थित सभी साधकों को आगामी ध्यान सत्रों की जानकारी भी प्रदान की।

कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आयोजित ध्यान कार्यक्रम में भाग लेते साधक।

एआईयूटीयूसी की जिला कमेटी की मीटिंग आयोजित

हांसी। केंद्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी की जिला कमेटी की बैठक संगठन के जिला प्रधान सत्यनारायण भाटोल की अध्यक्षता में टैक्सी स्टेंड कार्यालय में हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने किया। मेहर सिंह बांगड़ ने बताया की एआईयूटीयूसी के संस्थापक अध्यक्ष कामरेड शिवदास घोष की 49 वी वर्षगांठ पर 10 अगस्त को सोनीपत की छोटूराम धर्मशाला में स्मृति सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रदेश के कार्यकर्ता भाग लेंगे। जिला प्रधान सत्यनारायण भाटोल ने बताया कि संगठित व असंगठित क्षेत्र के मजदूरों व स्कीम वर्करों आशा आंगनवाड़ी मिड डे मील की जवलंत समस्याओं को लेकर 4 सितंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा तथा मजदूरों की मांगों का ज्ञापन केंद्रीय सरकार को दिया जाएगा।

हांसी। कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते एआईयूटीयूसी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

प्रो. डॉ. विनोद बने लुवास के कुलपति

हिसार

यहां के लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) को स्थायी कुलपति मिल गया है। विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा हाल ही में चंडीगढ़ में आयोजित उच्चस्तरीय 33वीं बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के तहत वेटरनरी फार्माकोलॉजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) व प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा को लुवास का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे इससे पहले भी अढ़ाई वर्ष तक यहां कुलपति रह चुके हैं। डॉ. विनोद कुमार वर्मा वर्ष 1993 में विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के रूप में नियुक्त हुए थे। वर्ष 2009 में वे प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत हुए और और 2014 से 2022 तक वे वेटरनरी फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष के रूप में सेवाएं देते रहे। तत्पश्चात, वे ढाई वर्षों से अधिक समय तक लुवास कुलपति के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं, उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उनके पास विभिन्न क्षमताओं में शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। डॉ. वर्मा को कुलपति नियुक्त किए जाने पर लुवास प्राध्यापक संगठन के अध्यक्ष डॉ. अशोक मलिक सहित अनेक शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

हिसार। लुवास कुलपति का कार्यभार संभालते प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा।

विधायक ने सुनीं समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाएगा: पनिहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने अपने पैतृक गांव पनिहार का दौरा किया और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। गांव में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं।

विधायक रणधीर पनिहार ने लोगों को आश्वस्त किया कि जो भी समस्याएं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव का सर्वांगीण विकास ही उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए वह प्रदेश सरकार से हर संभव सहयोग प्राप्त कर रहे हैं। ग्रामीणों ने गांव में पेयजल आपूर्ति, सडक़ें, स्ट्रीट लाइट, सरकारी स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति, खेल मैदान की मरम्मत और नहरों की सफाई जैसे मुद्दे विधायक के समक्ष रखे। कुछ वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने वृद्धावस्था पेंशन, राशनकार्ड और आवास योजना से जुड़ी व्यक्तिगत समस्याएं भी साझा कीं।

विधायक पनिहार ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत की और समस्याओं के समाधान की दिशा में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पनिहार गांव को एक आदर्श गांव के रूप में विकसित करने की योजना है, जिसमें बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ डिजिटल और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान गांव के सरपंच, पंच, महिला प्रतिनिधि, बुजुर्ग, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विधायक रणधीर पनिहार ने गांव बाड्या ब्राहमणान के लिए पानी का टैंकर भी वितरित किया।

हिसार। ग्रामीणों की समस्याएं सुनते विधायक रणधीर पनिहार।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार सप्लायर दो दिन के रिमांड पर

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने एक अवैध पिस्तोल व 2 जिन्दा कारतूस सप्लायर उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के गांव काकोरी निवासी मयंक उर्फ डॉलर को गिरफ्तार किया है। सीआईए स्टाफ हांसी में तैनात एएसआई बनी सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने कुछ दिन पहले हनुमान कालोनी निवासी राकेश को एक अवैध देसी पिस्तोल व 2 जिंदा कारतूस सप्लाई किए थे। अवैध पिस्तोल व कारतूस के साथ पकड़े गए आरोपी राकेश के खिलाफ थाना सदर हांसी में आर्म्स अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ था। आरोपी अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

बुलेट का 43 हजार का चालान काटकर किया जब्त

हांसी। पुलिस चौकी किला बाजार प्रभारी एसआई रमेश कुमार ने यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले एक बुलेट चालक का 43 हजार का चालान करके बुलेट बाइक को जब्त किया है। किला बाजार पुलिस चौकी प्रभारी एसआई रमेश कुमार ने बताया कि नियमित चेकिंग के दौरान लाल सड़क पर एक बुलेट मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को कागजात जांच के लिए रोक उसके साइलेंसर की जांच की गई तो जांच के दौरान पाया गया कि उसकी बाईक के साइलेंसर से पटाखा की आवाज निकल रही थी।

डॉ. प्रो. विनोद कुमार वर्मा बने लुवास के कुलपति

हिसार। लुवास गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दयानंद सोनी ने बताया कि डॉ. प्रो. विनोद कुमार वर्मा के लुवास विश्वविद्यालय के नये कुलपति नियुक्त होने पर विश्वविद्यालय में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि डॉ. विनोद कुमार वर्मा के लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति बनने से कर्मचारियों के रुके हुए सभी कार्य पूरे होंगे तथा विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर ले जाएंगे। इससे पहले भी डॉ. विनोद कुमार वर्मा जनवरी 2022 से अगस्त 2024 तक इसी विवि के कुलपति रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित, संगठन मजबूत करने की बनी रणनीति

कांग्रेस को संगठित करके सत्ता में लाना ही लक्ष्य : बीरेन्द्र सिंह

सभी 15 विधानसभाओं में होने वाली बैठकें क्रमशः जींद, हांसी, कलायत, बरवाला और आदमपुर में होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि हरियाणा की कांग्रेस को संगठित कर पुनः सत्ता में लाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि हिसार लोकसभा क्षेत्र के नौ, जींद के चार, कलायत व फतेहाबाद विधानसभा समेत कुल 15 विधानसभाओं की पांच अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएंगी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने की। उन्होंने बताया कि सभी 15 विधानसभाओं में होने वाली बैठकें क्रमशः जींद, हांसी, कलायत, बरवाला और आदमपुर में होंगी। हर बैठक में तीन विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि हिसार लोकसभा क्षेत्र के हर गांव से पांच से सात कार्यकर्ताओं को जोड़ा जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि पहली बैठक 20 अगस्त को स्व. राजीव गांधी की जयंती पर सद्भावना दिवस के रूप में जींद में आयोजित की जाएगी, जिसमें जींद, जुलाना व सफीदों के सभी गांवों से कांग्रेसजन भाग लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इन बैठकों में प्रबुद्ध वर्ग के लोगों व वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को बुलाया जाएगा, जो कांग्रेस और आरएसएस की विचारधारा का अंतर स्पष्ट करेंगे।

भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि आज प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है, अपराध व जातीय तनाव बढ़ रहा है। भाजपा की अग्निवीर योजना पर भी पुनर्विचार की आवश्यकता है। बैठक में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

हिसार। बैठक के बाद बातचीत करते पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में गायत्री यादव, जगदीश मान, दलजीत पंघाल, परमिन्द्र सहरावत, विकास बिङलान, राजवीर वर्मा, शैलेश वर्मा, करतार बाल्मीकी, अशोक सिवाच, रघवीर (एडवोकेट, अम्बेडकरवादी), कुलदीप बाल्मीकी, बलबीर अजमेरा (नायक नेता), विरेन्द्र किरोड़ी, इन्द्र सिंह लाखलान (पूर्व प्रधानाचार्य) व हिसार नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व संचालक डॉ. नरेंद्र यादव भी मौजूद थे। बैठक की शुरुआत कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक स्व. इन्द्र सिंह नैन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, उदयवीर सिंह पूनिया, बीर सिंह दलाल व धर्मबीर गोयत ने भी अपने विचार रखे।

दयानंद कॉलेज में 16-17 अगस्त को होगी पांचवीं जिला योगासन खेल प्रतियोगिता

- योगासन खिलाड़ी दिखाएंगे अद्वितीय प्रतिभा, इस बार होंगे 10 इवेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, हिसार की ओर से हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं योगासन भारत के सहयोग से पांचवीं जिला योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन 16 एवं 17 अगस्त को दयानंद कॉलेज में किया जाएगा। प्रतियोगिता की रूपरेखा और तैयारी के लिए विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य ने की। बैठक में आयोजन समिति के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय अलाहवादी एवं सचिव अनुज कौशिक ने बताया कि यह प्रतियोगिता ओपन चैंपियनशिप के रूप में होगी ताकि कोई भी योग्य खिलाड़ी प्रतियोगिता से वंचित न रहे। प्रतियोगिता में 10 वर्ष से 55 वर्ष तक के विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ी (बालक-बालिका अलग-अलग) भाग लेंगे।

मीडिया कमेटी योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के डायरेक्टर सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि प्रतियोगिता वर्ग सब-जूनियर (10+ से 14 वर्ष)जूनियर (14+ से 18 वर्ष) सीनियर (18+ से 28 वर्ष) सीनियर ए (28+ से 35 वर्ष) सीनियर बी (35+ से 45 वर्ष) सीनियर सी (45+ से 55 वर्ष) होंगे। इस वर्ष प्रतियोगिता में विशेष रूप से 10 इवेंट आयोजित किए जाएंगे। ट्रेडिशनल, फॉरवर्ड बेंडिंग, बैक बेंडिंग, ट्विस्टिंग बॉडी, हैंडस्टैंड, लेग बैलेंस, सुपाइन इंडिविजुअल, आर्टिस्टिक सिंगल, आर्टिस्टिक पेयर, रिदमिक पेयर प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम 4 इवेंट में भाग ले सकते है। यह प्रतियोगिता योगासन भारत एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्थाओं के निर्देशों के अनुसार आयोजित की जा रही है। इसमें विजेता गोल्ड मेडलिस्ट ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित होंगे, और वहां से राष्ट्रीय योगासन खेलों के लिए चयन किया जाएगा।

'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने सेक्टर 15 की दीवार पर बनाई सुंदर वर्ली आर्ट

हिसार। वर्षा ऋतु की एक सुबह। सुबह सुबह का सुहाना मौसम और हमारा प्यार हिसार के जज़्बे को सलाम। इस बार लक्ष्य था सेक्टर 15 की एक लम्बी दीवार पर वर्ली आर्ट बनाना जिस पर टेराकोटा कुछ समय पहले टीम द्वारा किया जा चुका था। टीम के सभी सदस्य रविवार सुबह पूरी तैयारी के साथ समय पर पहुंचे। किसी ने दीवार की सफाई की जिम्मेदारी संभाली तो कोई पेंट तैयार करने में जुटा। रंगों की बौछार, ब्रश की थापें और आपसी तालमेल—हर कार्य एक सुंदर समरसता में बहा। राह चलते लोग रुक कर कौतूहल से यह दृश्य निहारते रहे और टीम के काम की सराहना करते रहे। कुछ मोबाइल में इन यादों को कैद करते देखे गए। कुछ ही घंटों में यह अभियान पूरा हुआ। अभियान में डॉ. सुरेंद्र गर्ग, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज वर्मा, आदेश मलिक, कमल भाटिया, मंजू पूनिया, हरीश चंद्र, मनीष गोयल, गगन मेहता, दिनेश बंसल, मनदीप पूनिया, मधु गोयल, नीलेश सिंधु, मुकेश, अंकित, सुमन ऐरन, रमेश वर्मा, विक्की रौतेला, अनुराधा, नवप्रीत, माधवी, दीपिका, ईशा, एकता, शौर्य, आराध्या, मायरा, आशिका शामिल हुए।

मुकेश तंवर सीएडब्ल्यूस हिसार के उपप्रधान नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी (सीएडब्ल्यूस) जिला हिसार द्वारा गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में लिपिक पद पर कार्यरत मुकेश तंवर को उपप्रधान नियुक्त किया गया है।

यह फैसला जिला हिसार की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया जिसमें सीएडब्ल्यूस के राज्य उपप्रधान अनिल ग्रेवाल, राज्य महासचिव सतीश ढाका, जिला प्रधान जितेन्द्र श्योराण, सरंक्षक राजेश कुमार घोटिया, ऑल हरियाणा यूनिवर्सिटी एम्पलाइज फेडरेशन के चेयरमैन व गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व प्रधान विपिन वधवा व उप प्रधान दीपक जांगड़ा उपस्थित रहे।

हिसार। उप प्रधान नियुक्त किए गए मुकेश तंवर। फोटो : हरिभूमि

इससे पहले मुकेश तंवर सीएडब्ल्यूस के जिला प्रेस सचिव रह चुके हैं। नवनियुक्त उपप्रधान मुकेश तंवर ने राज्य कार्यकारिणी व जिला कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया है तथा विश्वास दिलाया है कि वे सच्ची लग्न व मेहनत के साथ संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

मुकेश तंवर ने कहा कि सीएडब्ल्यूस पिछले लम्बे समय से लिपिकीय वर्ग के हितों के लिए काम कर रही है। लिपिकीय वर्ग के वेतनमान संशोधन के लिए सीएडब्ल्यूस द्वारा 42 दिन का लगातार धरना भी दिया था जिसमें सरकार द्वारा नाममात्र पे-ग्रेड संशोधित किया गया जिससे सभी लिपिकीय वर्ग में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि हमारी सिर्फ एक ही मांग 35400 है जो लेकर ही दम लेंगे।

आरपीएस स्कूल में दो दिवसीय कार्यशाला हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आरपीएस पब्लिक स्कूल में सीबीएसई द्वारा क्लास रूम प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन सीबीएसई द्वारा प्रशिक्षित व अनुभवी विशेषज्ञ पायल व निवेदिता के द्वारा किया गया। विद्यालय की मुख्याध्यापिका पूजा राणा, पायल व निवेदिता ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षण पद्धतियों को अधिक प्रभावशाली व व्यावहारिक बनाना है। कार्यशाला का संचालन करते हुए उन्होंने रचनात्मक गतिविधियों द्वारा कक्षा संचालन, विद्यार्थी अनुशासन, समय प्रबंधन और नवीन शिक्षण पद्धतियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार शिक्षण को रोचक दृश्यात्मक व बहुआयामी बनाया जा सकता। सभी शिक्षकों ने इस कार्यशाला में आयोजित की गई गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय के संचालक डॉ. संदीप ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन शिक्षकों के लिए न केवल प्रेरणा का स्त्रोत बनता हैं बल्कि उनके शैक्षणिक कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विद्यालय संचालक व मुख्याध्यापिका ने कार्यशाला के विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न से सम्मानित किया।

हांसी। कार्यशाला विशेषज्ञों को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधक डॉ संदीप देसवाल व मुख्याध्यापिका पूजा राणा।

क्लेरिकल एसो. वेलफेयर सोसायटी की कार्यकारिणी गठित

- जितेन्द्र श्योराण पुन: प्रधान व जंगबीर फौजी महासचिव चुने गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी की बैठक लघु सचिवालय परिसर में राज्य टीम की देखरेख में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती के लिए कार्यकारिणी का पुनर्गठन करना था जिसके लिए कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान जितेंद्र श्योराण ने की और चुनाव अधिकारी के रूप में राज्य उप-प्रधान अनिल ग्रेवाल को नियुक्त किया गया। निरीक्षक के रूप में राज्य महासचिव सतीश ढाका, जिला प्रधान फतेहाबाद संदीप पूनिया व जिला प्रधान सिरसा साहिल बागड़ी ने कार्य किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें जिला प्रधान के पद पर पुनः जितेंद्र श्योराण तथा जिला महासचिव के पद पर जंगबीर फौजी को चुना गया।इसके अलावा संरक्षक राजेश कुमार घोटिया, जिला संयोजक रवि शंकर शर्मा, वरिष्ठ उप प्रधान ऊषा सिंह, उप प्रधान सरोज दहिया, विजय फौजी व मुकेश तंवर, सचिव जयदीप, कोषाध्यक्ष प्रवीण गोयल, सह-कोषाध्यक्ष परमवीर चहल, महिला संयोजक श्रीमती निधि व गीता मोर, मीडिया प्रभारी यशवीर चौहान व सुशील सोनी, संगठन सचिव राजकुमार, वरिष्ठ सलाहकार संजीव कुमार, सलाहकार रोहित, मनजीत व बलराज खरब, ब्लॉक प्रतिनिधि संदीप कुमार व रीतू रानी, विभागीय प्रतिनिधि अमित झाझरिया व पवन दहिया को नियुक्त किया गया।

हिसार। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के नवनियुक्त पदाधिकारी।

हांसी। पार्क में पौधारोपण करते शहीद भगतसिंह संगठन समिति के सदस्य।

शहीद भगतसिंह संगठन समिति ने तीजोत्सव पखवाड़ा के तहत पार्क में किया पौधरोपण

हांसी। शहीद भगत सिंह संगठन समिति के प्रधान सरदार कृष्ण इलावादी के नेतृत्व में शहीदों को प्रणाम करते हुए व याद करते हुए तीज उत्सव पखवाड़ा में शहीद भगत सिंह व शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए केला के पौधे लगाए। प्रधान सरदार इलावादी ने कहा कि केला के पेड़ों को हिन्दू धर्म में शुभ व पवित्र माना गया है क्योंकि केला के पेड़ शादियों, पुजा अर्चना व शुभ मुहुर्त में बहुत काम आते है। केला के पेड़ जहां शुभ है वही इनके पेड़ का तेल व फल खाने के काम आते हैं। किशोरी नागपाल ने कहा कि पौधे व पेड़ लगाने के लिए सावन का महीना सबसे बढ़िया माना जाता है। रामस्वरूप खट्टर ने कहा कि हांसी में पार्कों की सफाई ना के बराबर है और नगर परिषद हांसी लाखों रूपये महीना पार्कों के रख-रखाव पर खर्च करती है, लेकिन यह सारा रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।

हकृवि में चौथे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न परीक्षार्थियों की 82 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज

- एमएससी एग्रीकल्चर, एमएससी कम्युनिटी साइंस, एमएफएससी व एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग की परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एमएससी एग्रीकल्चर, एमएससी कम्युनिटी साइंस, एमएफएससी व एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग की चौथे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू ढंग से संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए परीक्षा में परीक्षार्थियों की 82 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर चेक करते रहें।

मोक्ष वृद्धाश्रम में श्रीरामकथा में धूमधाम से मनाया श्रीराम का जन्मोत्सव

जीवन में प्रतिकूलता आने पर भगवान के द्वार पर होता है समाधान

- आज पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगी श्रीरामकथा, लंगर प्रसाद का होगा वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मोक्ष वृद्धाश्रम में चल रही श्रीरामकथा में श्रीराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान निकाली गई श्रीराम जन्म की झांकी देखकर श्रद्धालु व बुजुर्ग अभिभूत हो गए और पूरा मोक्ष वृद्धाश्रम जय श्रीराम के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर हिसार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रही। इस दौरान शकुंतला राजलीवाला, डॉ. शमीम शर्मा, संस्कृति ग्रुप से विनिता जैन, रेणु लाहौरिया व तरुणा ढांडा, श्यामा श्याम मंडल से कमल अग्रवाल, पूनम गर्ग, पायल, नीलम, ममता, संतोष जांगड़ा, ममता, दर्शना व बिमला, अग्रवाल महिला विकास समिति से अनुपमा अग्रवाल, अमिता गुप्ता, निशा गुप्ता, रीना सातरोडिय़ा, अनीता गोयल व इंदु गुप्ता, परफेक्ट हेल्थ वीरांगना ग्रुप से सुनीला सिंह, कमला, कुसुम, शांता अरोड़ा, लक्ष्मी व कृष्णा और कविता अग्रवाल, शकुंतला गुप्ता, डॉ. वेद पूनिया, शशि शर्मा व ऊषा बंसल सहित काफी गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया। श्रीरामकथा के तीसरे दिन साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने श्रीराम जन्म के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने श्रीराम जन्म कथा का इतने वात्सल्य भाव से वर्णन किया कि सभी श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में श्रीरामकथा में श्रीराम जन्म की झांकी के दर्शन करते श्रद्धालु।

जब श्रीराम जन्म के शिशु स्वरूप की झांकी श्रीरामकथा स्थल पर पहुंची तो सभी श्रद्धालु नतमस्तक हो गए। साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने स्पष्ट किया कि जब-जब धरा पर अधर्म बढ़ता है तो भगवान अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता तो यह है कि भगवान केवल दुष्टों का नाश करने के लिए नहीं आते बल्कि भक्तों पर अनुकंपा बरसाने भी आते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रतिकूलता आने पर भगवान के द्वार पर समाधान अवश्य हो जाता है। इसलिए भगवान की भक्ति में मन लगाना चाहिए। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि श्रीरामकथा 4 अगस्त को पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगी। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि कैमरी रोड स्थित मोक्ष वृद्धाश्रम में समय-समय पर धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करके बुजुर्गों को आध्यात्मिक व पारिवारिक माहौल प्रदान किया जाता है।